आतंकवाद और हिंसा के खिलाफ आयोजित चर्चा में भाग लेते हुए विभिन्न धर्मों के धर्म गुरू।

आतंकवाद के खिलाफ उठा सर्व समाज

● कई धर्मों के धर्म गुरुओं ने आतंकवाद पर किया चिंतन मनन

राष्ट्रीय एकता समिति के मुख्यालय पर विभिन्न धर्मों के शीर्षस्थ प्रतिनिधियों राष्ट्रीय एकता समिति के सह संचालक युवाचार्य डा. लोकेश, राष्ट्रीय सिक्ख संगत के महासचिव परमजीत सिंह चण्डोक, अखिल भारतीय इमाम संगठन के राष्ट्रीय महासचिव इमाम उमेर अहमद इलियासी, सर्वधर्म संसद के सदस्य संत सोमनाथ ने हिंसा और आतंकवाद के खिलाफ आयोजित चर्चा में भाग लिया। धर्माचार्यों ने अहमदाबाद और बैंगलूर में बम विस्फोट की घटना को समाज को तोड़ने की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि ये विस्फोट भारतीय संस्कृति पर हमला है। अनेकता में एकता की भारतीय संस्कृति को खत्म करने की साजिश को शांति और सद्भावना का वातावरण बनाकर नाकाम किया जायेगा। धर्माचार्यों ने कहा कि धर्म जोड़ना सिखाता है, तोड़ना नहीं। धर्म के क्षेत्र में हिंसा, घृणा, भय और नफरत का कोई स्थान नहीं है।

हरिभूमि
नई दिल्ली, मंगलवार, 29 जुलाई 2008

धर्माचार्यों ने आतंकवादी घटनाओं की निंदा की

☆☆☆

वारदात को भाईचारा बिगाड़ने की सोची समझी चाल बताया

>> हरिभूमि न्यूज (नई दिल्ली)।

विभिन्न धर्मों के शीर्षस्थ धर्माचार्यों ने देश के विभिन्न प्रांतों में हुए विस्फोटों की कड़े शब्दों में निंदा की। सभी धर्माचार्यों ने महसूस किया कि धार्मिक साहिष्णुता पर सुनियोजित हमले कर भाईचारे के संबंध को बिगाड़ने की सोची समझी साजिश है। सभी धर्म शांति सदभाव भाईचारा का संदेश देती है। मासूमों, बेगुनाहों, और आम लोगों की जान लेने का अधिकार किसी को नहीं है। हमारे देश के दर्शन में सर्वधर्म सदभाव और वसुधैव कुटुम्बकम का आधार हजारों वर्ष से स्थापित है इसी दर्शन को आधार बनाकर हम सभी धर्माचार्य किसी के उकसावे में नहीं आने की देशवासियों से अपील करते हैं।

राष्ट्रीय एकता समिति के मुख्यालय भाई वीर सिंह मार्ग पर विभिन्न धर्मों के शीर्षस्थ प्रतिनिधियों राष्ट्रीय एकता समिति के सह संचालक युवाचार्य डा. लोकेश, राष्ट्रीय सिक्ख संगत के महासचिव परमजीत सिंह चंडोक, अखिल भारतीय इंसान संगठन के राष्ट्रीय महासचिव इमाम उमेर अहमद इलियासी, सर्वधर्म संसद के सदस्य महंत सोमनाथ ने हिंसा और आतंकवाद के खिलाफ आयोजित चर्चा में भाग लिया। धर्माचार्यों ने अहमदाबाद और बेंगलुरू में बम विस्फोट की घटना को समाज को तोड़ने की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि ये विस्फोट भारतीय संस्कृति पर हमला है। अनेकता में एकता की भारतीय संस्कृति को खत्म करने की साजिश को शांति और सदभावना का वातावरण बनाकर नाकाम किया जाएगा। धर्माचार्यों ने कहा कि धर्म जोड़ना सिखाता है तोड़ना नहीं।